B.A. (Honours) Examination, 2018
Semester-IV
Hindi
Course : H-8
(नाटक-और एकांकी)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन! कितने संतोष से भरा था! नियति ने अज्ञान भाव से मानो लू से तपी हुई वसुधा को क्षितिज के निर्जन से सायंकालीन शीतल आकाश से मिला दिया।

(ख) जीवन के आदि और उत्कर्ष के बीच एक और सीढ़ी है-जीवन का पुरुषार्थ। अपराध क्षमा हो आचार्य, आपकी कला उस पुरूषार्थ को भूल गयी है। जब मैं उन मूर्तियों में बंधे रसिक जोड़ों को देखता हूँ तो मुझे याद आती है सीने में नहाये हुए किसान की, कोसों तक धारा के विरूद्ध नौका को खेने वाले मल्लाह की, दिन भर कुत्हाड़ी लेकर खटने वाले लकड़हारे की। इसके बिना जीवन अधूरा है, आचार्य!

(ग) अन्याय की बात को कभी नहीं फैलने देना चाहिए। उसे हमेशा से बड़े लोग दबाते आ रहे हैं। लेकिन आपको शायद मालूम नहीं कि छोटा अन्याय हमेशा बड़े अन्याय को जन्म देता है। अगर आप सी. ओ. साहब के नोटिस में यह बातें लाते तो शायद न वह खून होता और न यह कोर्टमार्शल।

(घ) सम्राट! आग बुझ जाने पर भी आग की राख गरम रहती है, उसे तुम हाथों में नहीं उठा सकते। तुम इतने थोड़े समय में कैसे मान बैठे कि कुसुमपुर की आग इतनी शीतल भस्म हो गई है कि उसमें कुसुमों की क्यारियाँ सजाई जायं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) नाट्यकला की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'कोणार्क' शिल्पी विशु और शासक के परस्पर संघर्ष की गाथा है।' इस कथन पर तर्कपूर्ण विचार कीजिए।

(ग) 'कोर्टमार्शल' की मंचीयता पर विचार कीजिए।

(घ) एकांकी- कला की दृष्टि से 'ऊसर' की समीक्षा कीजिए।